[Total No. of Printed Pages : 4] अनुक्रमांक.....

BASL - 302

वेद एवं उपनिषद

कला में स्नातक (बीए–12/16/17)

तृतीय वर्ष, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड–'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. अधोलिखित मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जाया तप्यते कितनस्य हीना
माता पुत्रस्य चरतः क्व स्वित्।
ऋणावा विभ्यद्धनमिच्छमानो
ऽन्येषामस्तमुपनक्तमेति।

2. अग्रलिखित मन्त्र की व्याख्या करते हुए अन्वय कीजिए :

स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनास्ति, न तत्र त्वं न जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वा अशनायापिपासो शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

3. वेदाङ्गों का संक्षिप्त परिचय देते हुए वर्ण्य विषय लिखिए।

4. ''तन्ये मनः शिवसंकल्पमस्तु'' के आधार पर समग्र शिव संकल्प सूक्त की व्याख्या कीजिए।

5. अग्निसूक्त के अग्रलिखित मन्त्रद्वय की व्याख्या कीजिए।

(क) अग्निमीलेपुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्।

(ख) स नः पितवे सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।
सचस्वा नः स्वस्तये।।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. आरण्यक का अर्थ एवं वर्ण्य विषय क्या हैं?

2. अथर्ववेद का स्वरूप तथा प्रमुख वर्ण्य विषय लिखिए।

3. कठोपनिषद् के प्रथमवल्ली प्रथम अध्याय का सार लिखिए।

4. अग्निदेवता की क्या विशेषता है? लिखिए।

5. अधोलिखित कठोपनिषद् मन्त्र का भावार्थ लिखिए:

''वैश्वानरः प्रविशत्यतिथिर्ब्राह्मणो गृहान्।

तस्यैतां शान्तिं कुर्वन्ति हर वैवस्वतोदकम्।।

6. वैदिक साहित्य के अध्ययन के लिए छन्दः शास्त्र की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

7. शुक्लयजुर्वेद तथा कृष्ण यजुर्वेद को समझाइए।

8. ''हिरण्येन सविता रथेन देवो याति भुवनानि पश्यन्'' उपरोक्त मन्त्र का हिन्दी भावार्थ प्रस्तुत कीजिए।

****